हरिभूमि

सीहोर भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, बुधवार 22 अप्रैल 2026

06 यूडीआईडी बना रोड़ा: दिव्यांगों को नहीं मिली ...

07 अक्षय तृतीया पर बाल विवाह के खिलाफ लिया ...

खबर संक्षेप

15वां जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन हॉकी प्रशिक्षण शिविर 5 मई से

सीहोर। जिला कॉकी संघ, फातिका क्लब द्वारा आयोजित 15 वाँ जिला स्तरीय निःशुल्क ग्रीष्मा कालीन बालक व बालिकाओं का हॉकी प्रशिक्षण शिविर 5 मई से होम गार्ड ग्राउण्ड पर आयोजित होने जा रहा है। जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष राजीव गुजराती ने बताया कि हॉकी प्रशिक्षण शिविर में 6 वर्ष से 19 वर्ष तक के बालक-बालिकाओं को पूर्व ओलंपियन व एनआईएस कोचों द्वारा हॉकी प्रशिक्षण दिया जावेगा। हॉकी संघ के सचिव रसूल सिद्दिकी एवं सह सचिव अफशा अहमद ने बताया कि इस ग्रीष्म कालीन शिविर में स्कूल, कालेज के छात्र-छात्राऐं भाग ले सकते है एवं इस शिविर में खिलाडिय़ों को हॉकी की बारिकियाँ सिखाई जाती है। खेल अधिकारी रूबीका दीवान मेडम के मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है। इसमें भाग लेने के लिए इच्छुक खिलाड़ी होम गार्ड ग्राउण्ड मण्डी सीहोर में रसूल सिद्दिकी से सम्पर्क कर सकते है।

सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में सीहोर तीसरे स्थान पर

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के. के कुशल मार्गदर्शन एवं जिले के अधिकारियों के गंभीर प्रयासों का नतीजा है कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में सीहोर जिला प्रदेश में तीसरे पायदान पर आ गया है। सीएम हेल्पलाइन की 20 अप्रैल 2026 को जारी प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में सीहोर जिला ग्रुप-ए में तीसरे नम्बर पर आया है। सीएम हेल्पलाइन रैंकिंग के अनुसार सीहोर जिले में माह मार्च में कुल 6057 शिकायतों का 84.13 वेटेज स्कोर तथा ₹ए₹ ग्रेड श्रेणी के साथ निराकरण किया गया। जबकि सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में रायसेन प्रथम स्थान पर तथा गुना दूसरे स्थान पर रहा। कलेक्टर बालागुरू के. ने बताया कि समय समय पर शिकायत के निराकरण के पश्चात शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लिया जाता है। कलेक्टर बालागुरू के. ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में प्रदेश में तीसरे स्थान पर आने पर जिले के सभी अधिकारियों सहित जिले की पूरी टीम को बधाई दी है और अगली बार प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि सभी शासकीय सेवकों का हमेशा यह प्रयास होना चाहिए कि लोगों की शिकायतों और समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण कर उन्हें राहत दी जाए। अधिकारियों को यह निर्देश दिए गए हैं कि सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों व समस्याओं का केवल निराकरण ही नही करना है, बल्कि निराकरण संतुष्टिपूर्ण हो, इसका हमेशा प्रयास किया जाए।

बूंद-बूंद को तरसते सीहोर के गांव: 300 करोड़ से घटाकर 80 करोड़ हुआ पानी का बजट

जल संकट के बीच बजट में 75 प्रतिशत की कटौती महिलाएं खाली बर्तनों को बजाकर जता रहीं विरोध

2 किमी दूर झिरी खोदकर पीने को मजबूर ग्रामीण । नए बोर के लिए 5 विभागों की मंजूरी का पेंच

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जिले में भीषण गर्मी के साथ जल संकट भी गहरा गया है। सीहोर जिले के ग्रामीण इलाके रेगिस्तान में बदलते नजर आ रहे हैं। हालात ये हैं कि ग्रामीणों को प्यास बुझाने के लिए 2 किलोमीटर दूर जाकर झिरी खोदनी पड़ रही है। इसी बीच विधानसभा में पेश बजट में जल संकट से निपटने वाली राशि में भारी कटौती ने जनता की चिंता बढ़ा दी है।

बजट में कटौती से बढ़ी परेशानी

सूत्रों के अनुसार, पहले जल संकट से निपटने, नए नलकूप खनन और हेडपंप मरम्मत के लिए लगभग 300 करोड़ रुपये का प्रावधान था। इस बार इसे घटाकर महज 80 करोड़ रुपये कर दिया गया है। यानी सीधे 75% बजट कम कर दिया गया। सवाल उठ रहा है कि इतनी कम राशि में प्रदेश के हजारों गांवों की प्यास कैसे बुझेगी?

ग्रामीणों का कहना है, सड़क-बिजली की कमी कुछ दिन सही जा सकती है, लेकिन पानी के बिना एक दिन भी जीना मुश्किल है। खाना न मिले तो सह लेंगे, पानी न मिले तो जान पर बन आती है।

नई प्रक्रिया बनी रोड़ा

बताया जा रहा है कि अब नया नलकूप लगाने के लिए 5 विभागों की संयुक्त सहमति जरूरी होगी। इस समिति में कलेक्टर, जिला पंचायत, जल संसाधन विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा और लोक निर्माण विभाग शामिल होंगे। पहले लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सीधे काम कर देता था, अब मंजूरी में महीनों लग सकते हैं।

आदेश के बाद भी काम ठप

ग्रामीणों का आरोप है कि मुख्यमंत्री कार्यालय और मुख्य सचिव कार्यालय से सीहोर जिले के गांवों में नए नलकूप खनन के दूरभाष पर निर्देश दिए गए। पीएचई मंत्री, जो सीहोर की प्रभारी मंत्री भी हैं, ने भी प्रमुख अभियंता और कलेक्टर सीहोर को लिखित आदेश दिए। बावजूद इसके जिला प्रशासन आदेश मानने को तैयार नहीं है।

महिलाओं की चेतावनी

प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने चेतावनी दी है कि अगर शीघ्र बोर नहीं हुए तो पहले कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन होगा। फिर भी सुनवाई न हुई तो भोपाल जाकर मंत्री निवास और मुख्यमंत्री निवास पर पानी की मांग करेंगी।

जमीन पर क्या हैं हालात?

1. ग्राम पंचायत रोला, आलमपुरा, पचामाः महिलाओं ने हेडपंप पर लंबी लाइन लगाकर खाली बर्तन बजाए। मांग की कि गांव में तुरंत नए बोर लगाए जाएं। अनसूया बाई, ताराबाई, कालबाई, नीता बाई ने बताया कि सुबह से शाम तक पानी की तलाश में भटकना पड़ता है।
2. 2 किमी दूर झिरीः कई गांवों में हेडपंप सूख चुके हैं। ग्रामीण मजबूरन गांव से 2 किलोमीटर दूर खेतों में झिरी खोदकर मटमैला पानी पी रहे हैं।
3. पलायन को मजबूरः दर्जनों परिवार पानी के अभाव में घरों में ताला लगाकर खेतों या शहरों में रहने चले गए हैं। बच्चे-बुजुर्ग कड़ाके की धूप में कुओं से पानी ढो रहे हैं।
4. लाडली बहनों का दर्दः ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि ₹लाडली बहना योजना की पूरी कमाई पानी खरीदने में चली जाती है।

जनता की मांग

जल संकट से जूझ रही जनता को मीडिया से उम्मीद है कि वह उनकी आवाज सरकार तक पहुंचाए। ग्रामीणों ने सरकार से मांग की है कि जल संकट को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर बजट बढ़ाया जाए, ताकि किसी को बूंद-बूंद पानी के लिए न भटकना पड़े।

सीवन के लिए 'पुत्र-पुत्रियों' ने मैदान संभाला, मन में जिद लिए जीवनदायिनी को बचाने बहा रहे पसीना

हर साल दावे करने वाला प्रशासन इस बार शांत, गंदे सीवेज का पानी अब भी नदी में जहर घोल रहा

विश्व पृथ्वी दिवस विशेष...

सीहोर। आज जब पूरी दुनिया विश्व पृथ्वी दिवस मना रही है और पर्यावरण संरक्षण की बड़ी-बड़ी कसमें खाई जा रही हैं, तब सीहोर शहर की पहचान और यहां की जीवनदायिनी 'सीवन नदी' अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। कभी निर्मल जल के लिए जानी जाने वाली यह नदी आज गंदगी, सीवेज और प्रशासनिक उदासीनता के कारण एक नाले में तब्दील होती जा रही है।

बता दें जहां सरकारी तंत्र मौन है, वहीं शहर के जागरूक युवाओं की टोली 'सीवन पुत्र-पुत्रियों' के नाम से उम्मीद की किरण बनकर उभरी है। ये युवा अपनी मेहनत और जनसहयोग से नदी में छाई जलकुंभी को हटाने का भगीरथ प्रयास कर रहे हैं। बिना किसी आधुनिक मशीनरी के तपती दोपहर और कड़ी धूप में ये युवा नदी को साफ करने में जुटे हैं। विडम्बना देखिए कि इन युवाओं को सरकारी स्तर पर न तो कोई मदद मिल रही है और न ही संसाधन। फिर भी अपनी नदी-अपनी जिम्मेदारी के भाव से ये युवा पसीना बहा रहे हैं।

देश भर में बनी आस्था का केन्द्र

मालूम हो कि सीवन नदी की महत्ता केवल भूगोल तक सीमित नहीं है, यह लाखों लोगों की आस्था का केंद्र है। अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा निकाली जाने वाली भव्य कांवड़ यात्रा में लाखों श्रद्धालु इसी सीवन नदी से जल भरकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करते हैं। पंडित जी देश भर में अपनी कथाओं के दौरान सीवन की महिमा बताते हैं, जिसके चलते कुबेरेश्वर धाम आने वाले श्रद्धालु यहां पवित्र स्नान की इच्छा लेकर पहुंचते हैं, लेकिन जब वे नदी की वर्तमान दशा, मटमैला पानी और दुर्गंध देखते हैं तो उनकी धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं।

प्रशासनिक दावों की 'सूखती' धार : हैरानी की बात यह है कि हर साल गर्मी शुरू होते ही नगर पालिका और जिला प्रशासन सीवन पुनरुद्धार के बड़े-बड़े दावे करता था। गहरीकरण और सौंदर्यीकरण के प्रोजेक्ट फाइलों में तो बहुत तैरते हैं, लेकिन इस बार प्रशासन की ओर से कोई हलचल दिखाई नहीं दे रही है।

चारों ओर छायी रहती थी हरियाली : बुजुर्ग बताते हैं कि एक समय था जब सीवन का स्वरूप इतना भव्य था कि शहर की बड़ी आबादी पेयजल के लिए इसी पर निर्भर थी। स्वच्छ पानी के कारण भू-जल स्तर बना रहता था और चारों ओर हरियाली रहती थी। लेकिन अनदेखी ने आज इसकी तस्वीर बदल कर रख दी है।

पृथ्वी दिवस पर शहरवासियों की मांग

आज पृथ्वी दिवस के मौके पर स्थानीय पर्यावरण प्रेमियों और शहरवासियों ने मांग की है कि शहर के गंदे पानी को नदी में मिलने से तुरंत रोका जाए। जलकुंभी हटाने के लिए केवल युवाओं के भरोसे न रहकर प्रशासन आधुनिक मशीनरी लगाए। नदी के प्राकृतिक स्वरूप को लौटाने के लिए वैज्ञानिक तरीके से गहरीकरण का काम शुरू हो।

कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में 47 आवेदनों पर हुई सुनवाई

सीहोर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर से आए 47 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेढ.-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, गन लाइसेंस, वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर वंदना राजपूत, एसडीएम तन्मय वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विरोध करने पर महिलाओं से अतिक्रमणकर्ता के द्वारा अभद्रता की

डोहर समाज ने सामाजिक मंदिर द्वार से अतिक्रमण हटवाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

गंज स्थित डोहर मोहल्ला में अतिक्रमण विवाद रूकने का नाम नहीं ले रहा है। डोहर समाज के नागरिकों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर के नाम का ज्ञापन दिया। डोहर समाज ने शासन प्रशासन से उक्त भूमि समाज को आंवटित करने, सामाजिक मंदिर द्वार से अतिक्रमण को हटाने और अतिक्रमणकर्ता पर सख्त कार्रवाही करने की मांग की। डोहर समाज ने इस से पहले कोतवाली थाना पहुंचकर गिटटी डालकर रास्ता रोकने वाले अतिक्रमणकर्ता के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई है।

कलेक्टर को दिए ज्ञापन में डोहर समाज के नागरिकों ने बताया कि पूर्वजों द्वारा दो सौ वर्ष पूर्व मंदिर का निर्माण किया है। समाज के लोग लम्बे समय से पूजा अर्चना करते आ रहे है। क्षेत्र में रहने वाले राजेश राठौर ने मंदिर परिसर के मुख्य द्वार पर गिट्टी एवं रेत का ढेर लगाकर पुरी तरह मंदिर में जाने का रास्ता बंद कर दिया था। विरोध करने पर समाज की महिलाओं से अतिक्रमणकर्ता के द्वारा अभद्रता की गई।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सामग्री को हटवाया था लेकिन अतिक्रमणकार्ता के विरूध कोई वैधानिक कार्यवाही नहीं की। अतिक्रमणकर्ता ने मंदिर परिसर की बाउंड्रीवाल से सटाकर दक्षिण की ओर मुख्य दरवाजे के पास खुद का दरवाजा एवं अन्य निर्माण कार्य कर कब्जा कर लिया है। जिस कारण मंदिर आने जाने में सामाजिक बंधुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समाज की महिलाओं को पूजा करने आने जाने में राजेश राठौर और इसका पुत्र रितिक राठौर बाधाएँ एवं कठीनाईयां उत्तपन्न करते है। समाज के व्यक्तियों और माता-बहनों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा कर समाजिक रूप से भी अपमानित किया जा रहा है। अतिक्रमणकार्ताओं के द्वारा पुलिस कार्यवाही के बाद जाने मारने की धमकियां दी जा रही है। जिससे समाजजनों में भय का माहौल व्याप्त है।

ज्ञापन देने वालों में गोपाल सिंह फौजी, अजय कुमार अखेपुरिया, गोलू दोहरे, नरेन्द्र, प्रदीप, नरेश, रवि, शिव कुमार, अर्जुन सिंह,राजा दोहरे, शुभम दोहरे, चुन्नीलाल, रोहित, राकेश, अभय, संतोष, दिनेश, देवेन्द्र कुमार दोहरे, अजय, भवानी, राजेश, छोटू, संदीप, अखिलेश, धीरज, मांगीलाल, अंकित, दिनेश, नीरज, सुनील, सन्तोष, अमर, उदय कुमार, अमर, राजमल दोहरे, सुमित दोहरे, अरविन्द, प्रियांशु, योगेन्द्र, शैलेन्द्र, किल्लू, अरुण दोहरे, प्रियांशु दोहरे, गीता, संगीता, फूलबाई, आशा, ज्योति, संगीता, दुर्गा, राधाबाई, रामवती पुष्पा, गुलाब सिंह, बैजंती, हेमलता, देवी सिंह, मुन्नी, लक्ष्मी बाई आदि शामिल रहे।

खबर संक्षेप

शिविर लगाकर किया गया 936 बच्चों का टीकाकरण

सीहोर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं अनेक स्थानों पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। इसी क्रम में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत जिले में 21 अप्रैल को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 666 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 270 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही 136 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

जानकारी के अभाव और अधूरे दस्तावेज बने बाधा, 10-15 किमी दूर से आए दिव्यांग लौटे निराश

यूडीआईडी बना रोड़ा: दिव्यांगों को नहीं मिली सामग्री, जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल

शिविर में शामिल होने पहुंचे दिव्यांगों का कहना है कि उन्हें केवल कोटवार के माध्यम से सूचना मिली थी, लेकिन किन-किन दस्तावेजों की आवश्यकता होगी, इसकी स्पष्ट जानकारी किसी ने नहीं दी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा

जनपद पंचायत भैरूंदा के सभाकक्ष में आयोजित दिव्यांगजन निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं उपकरण वितरण के एकदिवसीय शिविर में अव्यवस्थाओं और लापरवाही की तस्वीर सामने आई। बड़ी संख्या में पहुंचे दिव्यांगों को इस शिविर का अपेक्षित लाभ नहीं मिल सका। मुख्य वजह यूडीआईडी कार्ड और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी समय पर उपलब्ध नहीं कराना रही, जिससे दूर-दराज से आए दिव्यांग निराश होकर लौटने को मजबूर हुए।

शिविर में शामिल होने पहुंचे दिव्यांगों का कहना है कि उन्हें केवल कोटवार के माध्यम से सूचना मिली थी, लेकिन किन-किन दस्तावेजों की आवश्यकता होगी, इसकी स्पष्ट जानकारी किसी ने नहीं दी। कई दिव्यांग अपने साथ आधार कार्ड, वोटर आईडी और अन्य सामान्य दस्तावेज लेकर पहुंचे थे, लेकिन आवेदन प्रक्रिया में यूडीआईडी कार्ड और बीपीएल कार्ड को प्राथमिकता दिए जाने के कारण वे पात्र होने के बावजूद वंचित रह गए।

शिविर स्थल पर निजी संस्था के अधिकारियों द्वारा यूडीआईडी, बीपीएल कार्ड और अन्य प्रमाणपत्रों की अनिवार्यता बताई गई, जबकि अधिकांश दिव्यांगों के पास ये दस्तावेज उपलब्ध ही नहीं थे। कई लोगों को तो यह तक पता नहीं था कि यूडीआईडी कार्ड क्या होता है, इसे कैसे और कहां बनवाया जाता है। ऐसे में वे पूरे दिन परेशान होते रहे, लेकिन उन्हें कोई ठोस सहायता नहीं मिल सकी।

औपचारिकता बनी पहल

गांव पलासी से आई एक दिव्यांग महिला ने नाराजगी जताते हुए कहा कि "हमें केवल शिविर की सूचना दी गई, लेकिन जरूरी कागजों की जानकारी नहीं दी गई। यहां आने पर पता चला कि यूडीआईडी और बीपीएल कार्ड जरूरी हैं, जो हमारे पास नहीं थे। अब पूरा दिन आने-जाने में ही निकल गया।" वहीं एक दिव्यांग युवक ने बताया कि हम 10-15 किलोमीटर दूर से आए, लेकिन जिन दस्तावेजों की मांग की गई, वे हमारे पास नहीं थे, जिससे हमें लाभ नहीं मिल सका।

शिविर में अव्यवस्थाओं के चलते कई दिव्यांगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। भीषण गर्मी में बैठे इन लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों और ग्राम पंचायत के सचिवों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि यदि पहले से पूरी जानकारी दी जाती, तो वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ आते और लाभ से वंचित नहीं होते। बताया गया कि यह शिविर सुबह 10 बजे से आयोजित किया गया था, जिसमें कृत्रिम हाथ-पैर, कैलीपर्स और विशेष जूते उपलब्ध कराए जाने थे। विशेष रूप से उन दिव्यांगों के लिए यह शिविर था जिनके हाथ-पैर कटे हैं या पोलियो से प्रभावित हैं। ऐसे लोगों के माप लेकर उपकरण तैयार किए जाने थे, ताकि वे सामान्य जीवन जी सकें। लेकिन व्यवस्थाओं की कमी और सूचना के अभाव ने इस पहल को महज औपचारिकता बनाकर रख दिया।

जनपद पंचायत सीईओ भैरूंदा संजय अग्रवाल ने बताया कि ग्रामवार, सोशल मीडियो , समाचार पत्रों के माध्यम से सभी को शिविर की सूचना दी गई, कुछ लोग आए थे उनका कहना था शिविर की सूचना तो प्राप्त हुई लेकिन डॉक्टम्यूमेंट, की जानकारी नहीं दी गई, यूडी आईडी कार्ड के माध्यम से ही दिव्यांकजनो को शिविर में लाभ मिला है। , जिनके यूडी आईडी नहीं थे उन्हें जिला अस्पताल से कार्ड बनवाने की सलाह भी दी गई।

भोपाल मेट्रोपोलिटन में भैंरूदा फिर हाशिए पर, क्षेत्र में गहराई नाराजगी

भैंरूदा। भोपाल मेट्रोपोलिटन क्षेत्र के गठन को लेकर जारी अधिसूचना के बाद भैंरूदा एक बार फिर उपेक्षा का शिकार बनता नजर आ रहा है। करीब 12,098 वर्ग किलोमीटर में प्रस्तावित इस विशाल मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा, राजगढ़ और नर्मदापुरम जिलों के 2500 से अधिक गांवों को शामिल किया गया है। हालांकि, सीहोर जिले के अधिकांश नगर परिषद और नगर पालिका क्षेत्रों को इसमें जगह मिलने के बावजूद भैंरूदा तहसील को पूरी तरह बाहर रखा गया है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी असंतोष व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार मेट्रोपॉलिटन योजना में सीहोर शहर के साथ श्यामपुर, आष्टा, इछावर, रेहटी, बुधनी, दोराहा और जावर जैसे क्षेत्र शामिल किए गए हैं। वहीं जिले का महत्वपूर्ण हिस्सा माने जाने वाले भैंरूदा-नसरुल्लागंज क्षेत्र को इस महत्वाकांक्षी योजना से वंचित कर दिया गया है। जबकि सीहोर जिले का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा इस योजना में शामिल किया गया है, ऐसे में भैंरूदा का बाहर रहना कई सवाल खड़े कर रहा है।

मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के अंतर्गत शामिल इलाकों को भोपाल मेट्रो और प्रस्तावित रिंग रोड से जोड़ने, औद्योगिक क्लस्टर विकसित करने और आधुनिक शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यापक योजना है। इससे न केवल भूमि मूल्य में वृद्धि होगी, बल्कि निवेश, रोजगार और आधारभूत ढांचे में भी तेजी से सुधार होगा। लेकिन भैंरूदा के बाहर रहने से यहां के नागरिक इन सभी संभावनाओं से वंचित रह जाएंगे।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि बीते कुछ वर्षों में विकास कार्यों का झुकाव लगातार बुधनी क्षेत्र की ओर रहा है, जहां सड़क, उद्योग, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तेजी से विस्तार हुआ है। इसके विपरीत भैंरूदा क्षेत्र को लगातार नजरअंदाज किया गया है। इससे क्षेत्रीय असंतुलन और भी गहरा होता जा रहा है।

राजनीतिक रूप से भी इस मुद्दे ने तूल पकड़ लिया है। कांग्रेस नेता विक्रम मस्ताल शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि विकास का दावा करने वाली सरकार की नजर में भैंरूदा का अस्तित्व ही नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सरकार को रेहटी और बुधनी तो चमकते हुए नजर आते हैं, लेकिन भैंरूदा की सीमा पर पहुंचते ही विकास का चश्मा धुंधला पड़ जाता है।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भैंरूदा को इस योजना में शामिल नहीं किया गया तो क्षेत्र की जनता आंदोलन के लिए बाध्य होगी। "भैंरूदा की जनता खैरात नहीं, अपना हक मांग रही है। विकास का पहिया अगर सबके लिए नहीं घूमेगा, तो यह विकास नहीं बल्कि साजिश मानी जाएगी," उन्होंने कहा।

25 अप्रैल को निकाली जाएगी श्री लक्ष्मी नारायण शाही सवारी

सीहोर। इस साल भी आगामी 30 अप्रैल को शहर के कोलीपुरा स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर में छह दिवसीय भव्य पंच कुण्डात्मक श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए मंदिर परिसर में दोपहर में श्री-श्री 1008 महामंडलेश्वर महंत रामभूषण दास महाराज के निर्देश पर संत माधव दास महाराज के मार्गदर्शन में रामचरित्र मानस पाठ का श्रीगणेश किया गया है।

वहीं बुधवार को हवन के साथ समापन किया जाएगा। मंगलवार को मुख्य यजमान नमिता अखिलेश राय, यज्ञाचार्य कुणाल व्यास, प्रभारी सन्नी सरदार, सुनील राय, गणेश यादव, रजत मुंदडा, बाबू बैस आदि ने संत माधव महाराज सहित अन्य के मार्गदर्शन में यज्ञशाला का निरीक्षण किया और उसके पश्चात दोपहर में लगातार 24 घंटे तक आयोजित होने वाली रामचरित्र मानस के पाठ की शुरूआत की, वहीं आगामी 25 अप्रैल को निकाली जाने वाली भव्य श्री लक्ष्मी नारायण शाही सवारी के बारे में तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए यहां पर उपस्थित महिला मंडलों की बैठक ली गई।

6500 क्विंटल मक्का घोटाला: अंतर्राज्यीय गिरोह गिरफ्तार, भरोसा जीतकर व्यापारियों से करोड़ों ठगे

सीहोर। पुलिस ने अंतर्राज्यीय धोखाधड़ी करने वाले एक गिरोह के तीन सदस्यों को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई संगठित अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। तकनीकी साक्ष्यों और सूचनाओं के आधार पर आरोपियों को पकड़ा। रेहटी निवासी पंकज चंद्रवंशी ने थाना रेहटी में शिकायत दर्ज कराई थी।

उन्होंने बताया कि आरोपियों ने लगभग 6500 क्विंटल मक्का की फसल खरीदी और फर्जी जीएसटी दस्तावेजों का उपयोग कर भुगतान किए बिना फरार हो गए। इस मामले में थाना रेहटी में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

निरीक्षक राजेश कहार के नेतृत्व में गठित टीम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

गिरोह के अन्य सदस्यों को तलाश रही पुलिस : गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान विनोद कुमार कलवानी (45 वर्ष, निवासी रायपुर, छत्तीसगढ़), मनोज कुमार (47 वर्ष, निवासी शाहदरा, दिल्ली) और राजेश चवारे (34 वर्ष, निवासी नागपुर/पांढुर्णा क्षेत्र) के रूप में हुई है। पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।

पहले भरोसा जताते, फिर करते थे धोखाधड़ी

आरोपियों का तरीका था कि वे अलग-अलग नाम और मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर खुद को ब्रोकर बताते थे। वे व्यापारियों से संपर्क कर पहले कम मात्रा में माल खरीदते और भुगतान करते थे, ताकि उनका विश्वास जीत सकें। एक बार विश्वास जम जाने के बाद, वे बड़ी मात्रा में कृषि उपज मंगवाते और बिना भुगतान किए मोबाइल बंद कर फरार हो जाते थे। इन आरोपियों में से कुछ के खिलाफ उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली और अन्य राज्यों में भी धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज हैं।

कई स्थानों पर उनके खिलाफ जांच जारी है और चेक बाउंस के मामलों में कोर्ट से वारंट भी जारी किए गए हैं।

नपा ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में प्रस्ताव पारित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

नगर पालिका परिषद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में प्रस्ताव पारित कर महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पालिका की बैठक में सर्वसम्मति से यह संकल्प लिया गया कि अधिनियम के उद्देश्यों और महत्व को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे अवगत हो सकें। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहाकि महिलाओं को सम्मान के साथ अधिकार मिले इसके लिए प्रस्ताव पारित किया गया है।

बैठक के दौरान पालिका के प्रतिनिधियों ने महिला पार्षदों सहित शहर की सभी महिलाओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को राजनीति में अधिक अवसर प्रदान करेगा और शासन-प्रशासन में उनकी भागीदारी को मजबूत बनाएगा। प्रतिनिधियों ने विश्वास जताया कि इस कानून के प्रभावी क्रियान्वयन से महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को नया आयाम मिलेगा और देश के विकास में उनकी भूमिका और सशक्त होगी।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को नगर पालिका परिषद के सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया था। नगर पालिका परिषद सीहोर में नारी शक्ति वंदन के अंतर्गत महत्वपूर्ण प्रस्ताव परिषद से पारित किया गया। यह निर्णय महिलाओं के सशक्तिकरण, सम्मान और उनकी भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

इस अवसर पर परिषद के सभी सदस्यों ने एकजुट होकर नारी शक्ति के सम्मान एवं अधिकारों को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया। यह प्रस्ताव समाज में महिलाओं की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। नारी शक्ति का सम्मान, समाज का अभिमान।

महिला ने लगाया फांसी का फंदा: सूदखोरों से परेशान होकर जनसुनवाई में सांकेतिक आत्महत्या का प्रयास

सीहोर। मंगलवार को कलेक्ट्रेट जनसुनवाई के दौरान सूदखोरों से परेशान एक महिला ने सांकेतिक फांसी लगाकर विरोध दर्ज कराया। गंगा आश्रम निवासी ज्योति बेस ने कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार के सामने आम के पेड़ पर रस्सी का फंदा डालकर आत्महत्या का प्रयास किया, जिसे मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत रोक लिया।

घटना के बाद सुरक्षाकर्मियों ने ज्योति को सुरक्षित जनसुनवाई सभागार में पहुंचाया। यहां तहसीलदार अमित सिंह ने उन्हें सीएसपी से मिलकर शिकायत रखने की सलाह दी।

ज्योति बेस का आरोप है कि फॉरेस्ट कॉलोनी के सूदखोरों ने उनके पति रुद्र प्रताप को कर्ज के जाल में फंसा लिया। पहले 2.5 प्रतिशत ब्याज पर पैसा दिया गया, जिसे बाद में बढ़ाकर 10 से 20 प्रतिशत कर दिया गया। महिला के अनुसार, 10 लाख रुपए के बदले वे अब तक करीब 60 लाख रुपए चुका चुके हैं।

पति ने जहर खाया, भोपाल में चल रहा इलाज : सूदखोरी से परेशान होकर उनके पति ने कीटनाशक जहर खा लिया। वर्तमान में उनका इलाज भोपाल के एक अस्पताल में चल रहा है। पीड़िता ने बताया कि ब्याज चुकाने के लिए उनका मकान और गहने तक बेचने पड़े। अब परिवार किराए के मकान में रह रहा है और आर्थिक तंगी के चलते बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो गई है।

धमकियों का आरोप, कार्रवाई नहीं होने से नाराजगी: ज्योति का कहना है कि सूदखोर लगातार उन्हें और उनकी मदद करने वालों को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने कलेक्टर, एसपी, एसडीएम, तहसीलदार, सीएसपी और कोतवाली टीआई सहित सभी अधिकारियों को शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। महिला ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द न्याय नहीं मिला, तो वे कलेक्ट्रेट में वास्तविक फांसी लगाकर आत्महत्या करेंगी, जिसकी जिम्मेदारी सूदखोरों के साथ प्रशासन और पुलिस की होगी।

यह पानी की बर्बादी का कोई पहला मामला नहीं है

मुरली वाली टंकी तीसरी बार ओवरफ्लो, हजारों लीटर पानी बर्बाद, शहर में गहराया जलसंकट

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

सीहोर में भीषण गर्मी की शुरुआत के साथ ही जलसंकट गहराने लगा है। शहर की मुरली वाली टंकी एक सप्ताह में तीसरी बार ओवरफ्लो हो गई, जिससे हजारों लीटर कीमती पानी बर्बाद हो गया। इस लापरवाही को लेकर रहवासियों में प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश है।

नगर पालिका वर्तमान में हर दो दिन छोड़कर यानी तीसरे दिन पानी की आपूर्ति करती है। ऐसे में जहां शहरवासी बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं, वहीं टंकियों का इस तरह बार-बार ओवरफ्लो होना जल प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह पानी की बर्बादी का कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी शहर के अन्य हिस्सों में लापरवाही सामने आ चुकी है। पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास पाइपलाइन सुधार कार्य के दौरान भारी मात्रा में पानी का रिसाव हुआ था, और इंदौर नाका नई टंकी का कनेक्शन जोड़ते समय भी पानी सड़कों पर बह गया था।

मुरली वाली टंकी का बार-बार ओवरफ्लो होना सीधे तौर पर ऑपरेटर की लापरवाही या ऑटो-कट सिस्टम की विफलता को दर्शाता है। अन्य स्थानों पर हुए जल रिसाव तकनीकी खामियों और रखरखाव में बरती गई असावधानी की ओर इशारा करते हैं।

अप्रैल का महीना चल रहा है और गर्मी अपने चरम पर पहुंचने वाली है। यदि समय रहते इन ओवरफ्लो होने वाली टंकियों पर सेंसर नहीं लगाए गए और जल रिसाव को नहीं रोका गया, तो आने वाले दिनों में 'तीसरे दिन' की जल आपूर्ति 'चौथे या पांचवें दिन' में बदल सकती है, जिससे शहर को भीषण प्यास का सामना करना पड़ सकता है।

कार्यालय नगर परिषद रेहटी, जिला - सीहोर (म.प्र.)
E-Mail ID-cmorehati@mpurban.gov.in

क्रमांक/848/लो.नि / 2026 रेहटी, दिनांक 16/4/2026

//ई-निविदा सूचना//

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mpetenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का विवरण	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_501429_1 17-04-2026	Construction of Stage at Ward No 15	04 माह 256244/-	2000/- 2600/-	02.05.2026
2.	2026_UAD_498851_1 10-04-2026	Construction of Shed at Ward No 15 Rehti	04 माह 979744/-	2000/- 10000/-	24.04.2026

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन वेबसाईट पर ही किया जावेगी, पृथक से समाचार पत्र मे प्रकाशन नही किया जावेगा।

राजेन्द्र मीना पटेल
अध्यक्ष
नगर परिषद रेहटी

राजेन्द्र कुमार यादव
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद रेहटी

पाटरीकला गांव में एक सकारात्मक पहल देखने को मिली

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह के खिलाफ लिया सामूहिक संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭राजगढ़

अक्षय तृतीया के अवसर पर जहां परंपरागत रूप से विवाहों की भरमार रहती है, वहीं इस बार पाटरीकला गांव में एक सकारात्मक पहल देखने को मिली। गांव के लोगों ने एकजुट होकर बाल विवाह न करने की शपथ ली और बाल विवाह मुक्त गांव के संकल्प को मजबूत करने का संदेश दिया।

महिला बाल विकास विभाग एवं अहिंसा वेलफेयर सोसायटी की टीम द्वारा लगातार क्षेत्र में चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों का प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। संस्था के कार्यकर्ताओं ने गांव में पहुंचकर समुदाय के बीच बाल विवाह के दुष्परिणामों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान महिलाओं, पुरुषों, बच्चों और विशेष रूप से युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को यह समझाया गया कि बाल विवाह केवल एक सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकारों का हनन है, जो उनके शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव डालता है। इस पर सभी उपस्थित लोगों ने एक स्वर में कहा कि वे अब इस प्रथा का समर्थन नहीं करेंगे और अपने गांव को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए मिलकर प्रयास करेंगे।

भागवत कथा के मंच का किया उपयोग

विशेष बात यह रही कि गांव में आयोजित भागवत कथा के मंच का भी सकारात्मक उपयोग किया गया। कथा के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं से अपील की गई कि वे इस कुरीति के खिलाफ आगे आएं और समाज में जागरूकता फैलाएं। भागवत श्रवण करने वाले लोगों ने भी सामूहिक रूप से शपथ ली कि वे न तो अपने परिवार में और न ही समाज में बाल विवाह होने देंगे। ग्रामीणों ने यह भी संकल्प लिया कि वे आने वाली पीढ़ियों को शिक्षित, सुरक्षित और सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे, ताकि एक स्वस्थ और जागरूक समाज का निर्माण हो सके।

पाटीदार समाज का 42वां सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित

सारंगपुर। पाटीदार समाज का 42वां सामूहिक विवाह सम्मेलन सोमवार को मास्टरमाइंड कान्वेंट स्कूल परिसर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों से आए कई जोड़ों ने वैदिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह बंधन में बंधकर अपने नए जीवन की शुरुआत की।सम्मेलन में विवाह संस्कार आचार्य पंडित सुनील कुमार शर्मा (ग्राम कालूखेड़ा) द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराए गए। आयोजन समिति अध्यक्ष मोहनलाल रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रातः 5 से 6 बजे के बीच वर-वधुओं एवं समाजजनों का आगमन हुआ, जिसके पश्चात बारात का स्वागत एवं प्रवेश कराया गया। सुबह 6 से 7 बजे के बीच गणेश पूजन सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। इसके बाद मंडप प्रवेश, पैर प्रक्षालन, शुभ लग्न, चंवरी फेरा एवं मंडप बरसाना जैसी पारंपरिक रस्में विधिपूर्वक निभाई गईं। लगभग 11 बजे के बाद नवविवाहित जोड़ों की विदाई का कार्यक्रम संपन्न हुआ। आयोजन समिति द्वारा प्रत्येक जोड़े को कन्यादान स्वरूप अलमारी, बर्तन, पलंग, बिस्तर सहित आवश्यक गृहस्थी का सामान प्रदान किया गया। इस सम्मेलन में राजगढ़, शाजापुर, देवास सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए वर-वधुओं का विवाह संपन्न कराया गया।समिति ने 42वें सम्मेलन की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए घोषणा की कि आगामी 2 मार्च 2027 को 43वां सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक जोड़ों का विवाह कराने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारी, वरिष्ठजन, सामाजिक कार्यकर्ता, नगर समिति के सदस्य एवं आसपास के गांवों से आए समाजजन एवं मातृशक्ति ने सक्रिय सहभागिता निभाई और आयोजन को सफल बनाया।

शासन द्वारा काफी अर्से पहले बंद किए जा चुके हैं चेक पोस्ट

राजस्थान चेकपोस्ट पर अवैध वसूली 2 आरक्षक ग्वालियर अटैच

हरिभूमि न्यूज ⏭राजगढ़

जिले के विभिन्न विभागों में सबकुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। हालिया स्वास्थ्य विभाग की मुखिया सीएमएचओ डॉ. शोभा पटेल जहां एक मामले में 20 हजार की रिश्वत लेते लोकायुक्त पुलिस भोपाल द्वारा रंगेहाथों पकड़ी गई थीं वहीं आरटीओ विभाग के दो आरक्षकों द्वारा जयपुर-जबलपुर मार्ग पर राजस्थान सीमा के नजदीक स्थित बंद हो चुके चेकपोस्ट पर वाहनों से अवैध वसूली के मामले सामने आए थे।

आरक्षकों द्वारा ट्रक चालकों से खुलेआम की जा रही वसूली के वीडियो वायरल होने के बाद परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश ने दोनों आरक्षकों को ग्वालियर अटैच करने के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के तहत आरक्षक आरपी हनोतिया एवं अमित झरवड़े को राजगढ़ कार्यक्षेत्र से हटाकर परिवहन आयुक्त कार्यालय, ग्वालियर संबद्ध कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि जिले की सीमा से सटे राजस्थान के नजदीक स्थित उक्त चेकपोस्ट पर वाहन चालकों से नियम विरुद्ध तरीके से वसूली के मामले अक्सर सामने आ रहे थे। लेकिन इस वसूली के संबंध कोई सटीम सबूत या साक्ष्य न होने के चलते विभाग कार्यवाही नहीं कर पा रहा था। अब वायरल वीडियो के आधार पर विभाग कमिश्नर ने यह कार्यवाही की है।

बैठक में अनुपस्थित कर्मचारियों का वेतन काटने के सीईओ ने दिए निर्देश

क्षीर धारा एवं सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा बैठक का मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭राजगढ़

पशुपालन विभाग द्वारा संचालित क्षीर धारा ग्राम योजना एवं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के लंबित मामलों को लेकर जिला पंचायत सीईओ द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बैठक में आधारभूत सर्वेक्षण कार्य को 7 दिवस में पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

साथ ही जिनके द्वारा कार्य प्रारंभ नहीं किया गया उन्हें नोटिस जारी कर सात दिवस में पूर्ण करने हेतु तल्ख निर्देश प्रदान किए गए। इसके साथ ही बैठक में बिना अनुमति अनुपस्थित कर्मचारी एवं अधिकारियों को नोटिस जारी कर एक दिवस का वेतन काटने के निर्देश सीईओ गढ़पाले ने प्रदान किए। इस दौरान निराश्रित पशुओं को गौशाला में भेजने हेतु कार्य योजना बनाकर प्रस्तुत करने भी निर्देश दिए एवं प्रत्येक विकासखंड में एक गौशाला को आदर्श गोशाला बनाने हेतु चयन कर कार्ययोजना बनाने हेतु निर्देशित किया गया। सीएम हेल्पलाइन की अर्से से लंबित शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण कर सभी शिकायत बंद करने हेतु उपसंचालक पशुपालन विभाग को निर्देश दिए।

राहगीरों को परेशानियों का करना पड़ रहा सामना

अवैध अतिक्रमण से यातायात व्यवस्था चरमराई, सड़क पर लग रहा जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭सारंगपुर

पुराने एबी रोड पर बढ़ते अवैध अतिक्रमण ने शहर की यातायात व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। बस स्टैंड क्षेत्र सहित मुख्य हाईवे पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे आम नागरिकों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि स्थानीय दुकानदारों ने अपनी दुकानों के बाहर सड़क किनारे की जमीन किराए पर देकर अस्थायी दुकानें संचालित करवा दी हैं।

इतना ही नहीं, कई दुकानदारों ने अपनी दुकानों का विस्तार करते हुए सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया है और बाहर तक जूस व अन्य ठेले लगा दिए हैं। इन अतिक्रमणों के कारण सड़क की चौड़ाई काफी कम हो गई है, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों का निकलना मुश्किल हो गया है। व्यस्त समय में बस स्टैंड के आसपास वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। स्कूल, कॉलेज और कार्यालय जाने वाले लोगों को रोजाना जाम में फंसकर समय बर्बाद करना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। अधिकारियों की उदासीनता के चलते अतिक्रमणकारियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। नागरिकों ने प्रशासन से जल्द अतिक्रमण हटाकर यातायात व्यवस्था सुचारू करने की मांग की है।

इनका कहना है...

टीम भेजकर अवैध अतिक्रमण करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

दीपक रानवे, सीएमओ, नगर पालिका सारंगपुर

छह बीघा जमीन की गलत नपती बनी मौत का कारण

हरिभूमि न्यूज ⏭विदिशा

शमशाबाद तहसील के ग्राम सांगुल में जमीन की नपती में गड़बड़ी से आहत 60 वर्षीय किसान कालू जाट ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

परिजनों के अनुसार हाल ही में हुई राजस्व नपती में उनकी करीब 6 बीघा जमीन पड़ोसी के खाते में दर्ज हो गई थी। जीवनभर की कमाई और एकमात्र सहारे को कागजों में गायब होता देख किसान गहरे सदमे में था। बताया जा रहा है कि घटना से एक दिन पहले वह राजस्व अधिकारियों के चक्कर काटकर लौटा था। अगले ही दिन उसने अपने खेत पर जाकर फांसी लगा ली। परिवार का आरोप है कि मानसिक आघात और प्रशासनिक उदासीनता ने उसे यह कदम उठाने पर मजबूर किया। घटना के बाद ग्रामीणों और परिजनों में भारी आक्रोश फैल गया। सांगुल बस स्टैंड पर शव रखकर करीब 2 घंटे तक चक्काजाम किया गया। प्रदर्शनकारियों ने संबंधित पटवारी और आरआई पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते शिकायत पर सुनवाई होती तो एक किसान की जान बच सकती थी। अब पूरा गांव न्याय की मांग पर अड़ा है।

मृतक के भाई सूरज सिंह जाट ने थाना प्रभारी शमशाबाद को दिए आवेदन में बताया कि तीनों भाई कालूराम जाट, रमेश कुमार जाट और सूरज सिंह जाट के हिस्से में कुल 6 बीघा जमीन है। इसमें 4 बीघा कालूराम के बेटे गजेंद्र जाट और 2 बीघा रमेश जाट के नाम दर्ज है, जिस पर वे खेती करते आ रहे थे। आरोप है कि 18 तारीख को पड़ोसी की जमीन की नपती के दौरान वीरेंद्र पटवारी ने गलत नपती कर उक्त 6 बीघा जमीन पड़ोसी किसान के हिस्से में दर्ज कर दी। शाम को कालूराम जाट जब बात करने पड़ोसी के घर पहुंचे तो गाली-गलौज हुई। घटना से आहत होकर कालूराम ने फांसी लगा ली। परिजनों ने पड़ोसी किसान सहित पटवारी वीरेंद्र के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पीपल्या बीजारेल में किशोर की गड्ढे में डूबने से मौत

जीरापुर। स्थानीय पुलिस थानांतर्गत ग्राम पीपल्या बीजारेल में एक किशोर की पानी के गहरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक गांव के धर्मराज पिता मोहनलाल बागरी 13 वर्ष रविवार शाम को गांव में ही खुले स्थान पर खेल रहा था। इसी दौरान वह अचानक पानी से भरे एक गहरे गड्ढे में गिर गया। जब देर रात्रि तक वह घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान पता चला कि वह गड्ढे में गिर गया है। परिजन और ग्रामीण ने तत्काल उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। किशोर के शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने गांव ले जाकर अंतिम संस्कार किया गया।

पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की

अज्ञात कारणों के चलते महिला की मौत, पीएम उपरांत शव दफनाया

सारंगपुर। रविवार को बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय में एक अज्ञात महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार महिला बीमार अवस्था में प्रतीक्षालय में बैठी हुई थी। स्थानीय लोगों ने उसकी हालत को देखते हुए तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को तत्काल सिविल अस्पताल सारंगपुर में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों द्वारा उसका उपचार शुरू किया गया। हालांकि उपचार के दौरान महिला की स्थिति बिगड़ती गई और अंततः उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने महिला के पास मिले मोबाइल फोन के आधार पर उसके परिजनों से संपर्क करने का प्रयास किया। जांच के दौरान महिला की पहचान मीना, पिता गोकुल 40 वर्ष निवासी सेमली (नलखेड़ा) के रूप में हुई। पुलिस द्वारा मृतका के पति को सूचना दी गई, लेकिन लंबे समय तक इंतजार करने के बावजूद कोई भी परिजन अस्पताल नहीं पहुंचा। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए महिला का पोस्टमार्टम (पीएम) करवाया। पीएम के उपरांत शव को नियमानुसार दफना दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। महिला की मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

ब्राह्मण मैत्री महिला मंडल ने किए कार्यक्रम, नपाध्यक्ष पहुंची

हरिभूमि न्यूज ⏭विदिशा

भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में ब्राह्मण मैत्री महिला मंडल द्वारा अग्रवाल धर्मशाला स्थित तारा देवी हॉल में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मातृ शक्तियों ने दीप प्रज्वलन से किया।

मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति राकेश शर्मा एवं संयोजक रितु देवलिया सहित अनेक गणमान्य महिलाएं उपस्थित रहीं। श्री महाकाल संस्कृत पाठशाला के बटुकों ने स्वस्तिवाचन कर वातावरण भक्तिमय बना दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में रोमा अधिकारी डांस ग्रुप व पूनम शर्मा डांस ग्रुप ने शास्त्रीय नृत्य और नाट्य मंचन से सभी का मन मोह लिया। महिला सशक्तीकरण आधारित नाटक एवं कामेष्टि यज्ञ की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता और अक्षय मेला में लगे स्टॉलों ने कार्यक्रम को विशेष रूप से जीवंत बनाया।

प्रेस एसोसिएशन के चुनाव संपन्न अंसारी निर्विरोध अध्यक्ष मनोनीत

सारंगपुर। रविवार को प्रेस एसोसिएशन सारंगपुर की बैठक स्थानीय कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक संगठन के संरक्षक कैलाश शर्मा एवं निवर्तमान अध्यक्ष अमित कुमार सक्सेना की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक के दौरान संगठन को मजबूत बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही नए अध्यक्ष के चयन पर विचार-विमर्श करते हुए सर्वसम्मति से संगठन के सक्रिय सदस्य इफ्तिखार अंसारी को आगामी वर्ष के लिए प्रेस एसोसिएशन का निर्विरोध अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

इस अवसर पर संगठन के सदस्यों ने पूर्व अध्यक्ष अमित सक्सेना एवं सचिव शोएब हसन राही का पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया। वहीं नव-निर्वाचित अध्यक्ष इफ्तिखार अंसारी का साफा बांधकर स्वागत किया गया। नव-निर्वाचित अध्यक्ष इफ्तिखार अंसारी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी साथियों ने जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को और अधिक मजबूत बनाना तथा पत्रकारों के हितों की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। साथ ही निष्पक्ष और सकारात्मक पत्रकारिता को बढ़ावा देने के लिए सभी सदस्यों को साथ लेकर कार्य किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अन्य सक्रिय पत्रकारों को भी सहमति के आधार पर संगठन से जोड़ा जाएगा। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार कैलाश शर्मा, अमित सक्सेना, महेश पुष्पद, शफीक अंसारी, शोएब हसन राही, नवीन रुण्डवाल,राजेश बंसल, मनोज पुष्पद एवं रविंद्र श्रीवास्तव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर बोले विहिप जिलाध्यक्ष

हिंदुओं को अपने अंदर के परशुराम को जगाना होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭राजगढ़

भगवान विष्णु के छटवें अवतार भगवान परशुराम के प्रकटोत्सव पर विश्व हिन्दू परिषद द्वारा स्थानीय अंजनीलाल धाम मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना के साथ विविध आयोजन रखे गए। कार्यक्रम में संकल हिन्दू समाज को आमंत्रित करते हुए भगवान परशुराम के चरित्र, गुण और उनसे सीखने वाली बातों पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद के जिलाध्यक्ष तेजेंद्र उपाध्याय ने कहा कि जिस काल में भगवान परशुराम अवतरित हुए थे, उस काल में उन्होंने समस्त अत्याचारियों का पृथ्वी से समूल विनाश कर दिया था। इसी प्रकार आज हिंदू समाज को संगठित होकर अपने अंदर के परशुराम को जागना होगा। उन्होंने कहा कि समाज को विपदा में डालने वाले, समाज पर प्रहार करने वाले विभिन्न समुदायों को पहचानकर उन पर कड़ा प्रभार करना आज नितांत आवश्यक हो गया है। कार्यक्रम उपरान्त मंदिर में महाआरती की गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक रघुनंदन शर्मा, ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र जोशी काका, अध्यक्ष पीयूष दुबे, ब्रह्माकुमारी संस्था प्रमुख सुरेखा दीदी, विहिप जिला मंत्री मयंक जायसवाल, सत्संग प्रमुख उमेश शर्मा, धर्म प्रसार प्रमुख संतोष कटारे, नगर मंत्री लोकेश शर्मा, समाजसेवी हेमंत जोशी सहित अनेकों महिला-पुरुष उपस्थित थे।

पंचकुंडीय यज्ञ का किया आयोजन

परशुराम जयंती के अवसर पर स्थानीय शिवजी की छतरी के समीप स्थित यज्ञ स्थल पर पंचकुंडीय यज्ञ का आयोजन विप्रजनों द्वारा किया गया। इस दौरान समाजजनों ने भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना करते हुए यज्ञवेदी में आहुतियां डालीं। इस अवसर पर अजय शर्मा, ओपी शर्मा, सेवानिवृत्त डिप्टी कलेक्टर पुरुषोत्तम शर्मा, हरीश व्यास, प्रेमनारायण शर्मा, आनंद शर्मा, मनोज दवे, आलोक तिवारी सहित अन्य विप्रजन उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के पूर्व जिला सहसंयोजक ने की शिकायत

सीहोर। भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के पूर्व जिला सहसंयोजक इछावर निवासी सईद खान ने जनसुनवाई में एक आवेदन प्रस्तुत किया। जिसमें बताया गया कि इछावर में स्थित दरगाह की जगह जो कि वक्फबोर्ड की भूमि है, पर कुछ दबंग व्यक्तियों द्वारा कब्जा कर वहाँ पर शोरूम संचालित किया जा रहा है। जबकि जिस जमीन पक्का शोरूम बनाकर व्यापार किया जा रहा है वह भूमि वक्फ बोर्ड म.प्र. की है जिसका कब्जा कोई भी नही कर सकता है। सईद खान ने बताया कि इस सम्बंध में पूर्व से ही वक्फ बोर्ड के कार्य पालक अधिकारी को भी की गई है। जिन लोगों ने अपने निजी फायदे के लिये जबरिया अतिक्रमण कर शोरुम बनाया गया है जो कि न्यायसंगत नहीं है। सईद खान द्वारा आवेदन के माध्यम से आग्रह किया है कि उचित जाँच कर ईदगाह की भूमि पर बनाये गये शोरुम को तत्तकाल प्रभाव से अतिक्रमण मुक्त करवाया जावे।

साध्वी स्नेह ज्योति श्रीजी के वर्षी तप पर निकली तपस्वी और भगवान की रथयात्रा

वर्षी तप आत्मशुद्धि और आत्मकल्याण का श्रेष्ठ माध्यमः आचार्य जीतरत्न सागर

आचार्य जीतरत्न सागर सूरीश्वर महाराज के सानिध्य में निकाली गई रथयात्रा। वर्षी तप की तपस्या करने वाली साध्वी स्नेह ज्योति श्रीजी रथयात्रा रही शामिल।

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

नगर में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत माहौल देखने को मिला, जब साध्वी स्नेह ज्योति श्रीजी महाराज साहब के वर्षीतप की पूर्णाहुति के उपलक्ष्य में तपस्वी एवं भगवान की भव्य रथयात्रा गाजे-बाजे के साथ वाणी के जादूगर ,वात्सल्य सम्राट ,आचार्य भगवंत जीतरत्न सागर सूरीश्वर महाराज के पावन सानिध्य में निकाली गई। मानस भवन परिसर से प्रारंभ हुई यह रथयात्रा सुभाष चौक, गंज, सिकंदर बाजार, बड़ा बाजार, बुधवारा, गल चौराहा होते हुए वापस भवन परिसर में पहुंची। जहां जगह-जगह श्रद्धालुओं ने आचार्य भगवंत का गवली कर आशीर्वाद प्राप्त किया। रथयात्रा आचार्य जीतरत्न सागर सूरीश्वर महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हुई।

इस दौरान उन्होंने वर्षीतप जैसी कठिन तपस्या के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह तप आत्मशुद्धि और आत्मकल्याण का श्रेष्ठ माध्यम है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए नरेन्द्र गंगवाल ने बताया कि आचार्य जीतरत्न सागर सूरीश्वर महाराज ने आगे कहा कि तपस्या के माध्यम से व्यक्ति अपने कर्मों का क्षय कर आत्मा को निर्मल बनाता है और यही मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर होने का सशक्त साधन है। आचार्यश्री ने कहा कि भगवान आदिनाथ को इक्षुरस का आहार कराने का सौभाग्य राजा श्रेयांश कुमार को प्राप्त हुआ था, जो अत्यंत महापुण्य का कार्य है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि अपनी चंचल लक्ष्मी का सदुपयोग धर्म और सेवा कार्यों में करें, जिससे जीवन सार्थक बने। रथयात्रा में एक ओर तपस्वी साध्वी स्नेह ज्योतिश्री महाराज साहब, साध्वी शासन ज्योति श्रीजी आदि के साथ पैदल विहार कर रही थीं, वहीं भगवान आदिनाथ की प्रतिमा को सुसज्जित रथ में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। रथ में भगवान की प्रतिमा ले जाने का सौभाग्य उमेश कुमार- ज्योति श्रीश्रीमाल परिवार को प्राप्त हुआ। मानस भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश व देश के विभिन्न नगरों पूणा, कोयंबटूर, उज्जैन, मुंबई, नागेश्वर आदि से पधारे श्रद्धालुओं का समाज द्वारा सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भी अपनी सहभागिता निभाई। वर्षीतप की पूर्णाहुति पर इक्षुरस से पारणा कराने का लाभ पानकुंवर बाई कल्याणमलजी, पूर्व पार्षद राजेंद्र कुमार एवं उमेश कुमार श्रीश्रीमाल परिवार द्वारा लिया गया।

मुनिश्री संस्कार सागर ने दिए आशीष वचन

आष्टा। मोह के कारण धार्मिक व्यक्ति भी कई बार गलत मार्ग पर चला जाता है। मोह का दास बनने और उसे जीतकर तीन लोक का नाथ बनने के बीच का निर्णय स्वयं व्यक्ति को करना होता है। राग-द्वेष रूपी बगीचे का मूल बीज मोह ही है, इसलिए मोह रूपी निंद्रा से जागने का प्रयास करना आवश्यक है। यह उद्बोधन नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन दिव्योदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र किला मंदिर में विराजमान आचार्य विनिश्चय सागर मुनिराज के परम प्रभावक शिष्य वात्सल्य रत्नाकर मुनिश्री संस्कार सागर मुनिराज ने अपने आशीषवचन में व्यक्त किए। प्रवचन की जानकारी देते हुए नरेन्द्र गंगवाल ने बताया कि मुनिश्री ने कहा कि पंचम काल में कषायों की वृद्धि अधिक हो रही है। सम्यकदर्शन के अभाव में व्यक्ति हर क्षेत्र में कषायों में लिप्त है। यहां तक कि धार्मिक कार्य करते हुए भी वह कषायों से मुक्त नहीं हो पाता।मुनिश्री संस्कार सागर मुनिराज ने कहा मायाचारी, छल-कपट और दिखावा व्यक्ति के आचरण में बढ़ता जा रहा है। व्यक्ति संपूर्ण जीवन विषय भोगों में व्यतीत कर देता है, लेकिन मनुष्य जीवन का वास्तविक उद्देश्य पूर्ण नहीं कर पाता।

रावण और मुनि बाली के प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि जब रावण ने कैलाश पर्वत को उठाने का प्रयास किया, तब मुनि बाली ने मात्र अपने पैर के अंगूठे से उसे दबा दिया, जिससे रावण असहाय हो गया। यह उदाहरण संयम और आत्मबल की महत्ता को दर्शाता है। रावण मोह के कारण विरक्त नहीं हो सका सीता का हरण कर लिया और नरक गति का बंध कर बैठा। आप लोगों की संसार से विरक्ति क्यों नहीं हो रही है।

जनगणना 2027: तीन दिवसीय प्रशिक्षण हुआ शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ बुधनी

नगर परिषद द्वारा आगामी जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार को नगर परिषद सभागृह में किया गया। यह प्रशिक्षण 21 से 23 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रगणक, पर्यवेक्षक एवं मास्टर ट्रेनर्स को जनगणना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस पर चार्ज अधिकारी संतोष रघुवंशी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके पश्चात सभी प्रतिभागियों का स्वागत कर प्रशिक्षण सत्र प्रारंभ हुआ। अपने संबोधन में संतोष रघुवंशी ने जनगणना को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से देश की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का सटीक आकलन संभव होता है। उन्होंने सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों से जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ कार्य करने की अपील की। इस दौरान फील्ड ट्रेनर महेश प्रसाद दायमा एवं रविंद्र राजोरिया ने प्रशिक्षणार्थियों को घर-घर सर्वेक्षण, डेटा संकलन, डिजिटल उपकरणों के उपयोग और कार्य के दौरान आने वाली समस्याओं के समाधान की जानकारी दी प्रशिक्षण को संवादात्मक शैली में आयोजित किया गया। जिससे प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिलीप्रशिक्षण में बताया गया कि हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन का कार्य 1 मई से 30 मई 2026 तक किया जाएगा इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। प्रथम दिवस पर प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। नगर परिषद द्वारा प्रशिक्षण के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं शेष दिनों में भी इसी प्रकार का प्रशिक्षण जारी रहेगा।

जनगणना को लेकर जागरुकता बढ़ाने के लिए एसडीएम की पहल, स्वयं भरा स्व-गणना फॉर्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नितिन कुमार टाले ने एक प्रेरणादायक पहल की है। उन्होंने स्वयं अपना स्व-गणना फॉर्म भरकर न सिर्फ अपनी जिम्मेदारी निभाई, बल्कि नागरिकों के लिए एक उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

एसडीएम श्री टाले के मार्गदर्शन में तहसील कार्यालय के बैठक कक्ष में तहसीलदार श्री रामलाल पगारे, हेमंत अग्रवाल ,अजय राजपूत, संदीप गौड़ सहित उपस्थित सभी कर्मचारियों द्वारा भी स्व-गणना फॉर्म भरे गए। इस पहल से प्रशासनिक अमले में जागरूकता का सकारात्मक वातावरण बना है और जनगणना कार्य के प्रति गंभीरता भी स्पष्ट रूप से देखने को मिल रही है। आम नागरिकों को स्व-गणना प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना उद्देश्य है।

एसडीएम नितिन कुमार टाले ने हमारे प्रतिनिधि से चर्चा करते हुए बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को स्व-गणना प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना, इसकी उपयोगिता समझाना और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। प्रशासन द्वारा कर्मचारियों के माध्यम से यह संदेश तेजी से समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे जनगणना के प्रति रुचि और सहभागिता में वृद्धि हो रही है।श्री टाले की इस पहल का स्थानीय नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों ने सराहना करते हुए इसे जनजागरूकता बढ़ाने की दिशा में प्रभावी कदम बताया है।

एसडीएम की अपील

एसडीएम श्री टाले ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं की आधारशिला है। प्रत्येक व्यक्ति को स्व-गणना फॉर्म भरकर अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए, ताकि शासन को सटीक आंकड़े मिल सकें और योजनाओं का लाभ सही लोगों तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक आगे आएं, स्वयं भी स्व-गणना करें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर सतीश पंडिया, लोकेंद्र तिवारी, लखनसिंह सोलंकी ,उमा सगवालिया, सतीश बिरंग ,पटवारी वीरेंद्र सिंह ठाकुर, कुंदन जाटवा, डी सेन आदि ने भी अपने स्व-गणना फार्म भरे।

भारतीय मजदूर संघ ने आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर को दिया ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

भारतीय मजूदर संघ के प्रांतीय आव्हान पर मंगलवार को जिला मुख्यालय पर भारतीय मजदूर संघ ने विभिन्न विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन संयुक्त कलेक्टर विरेन्द्र परमार को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि भारतीय मजदूर संघ प्रदेश के संगठित एवं असंगठित क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है प्रदेश के विभिन्न विभागों में कार्यरत आऊटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण होना कर्मचारी श्रमिक एवं प्रदेश हित में है। भारतीय मजदूर संघ प्रदेश के विभिन्न विभागों, उद्योगों, संस्थाओं में कार्यरत आऊटसोर्स कर्मचारियों की प्रमुख मांग को अतिशीघ्र निराकरण हेतु निवेदन करता है। ज्ञापन में कहा है कि प्रदेश के आउटसोर्स कर्मचारियों हेतु सरकार स्तर पर ठोस नीति आऊटसोर्स सर्विस सेक्यूरिटी एक्ट, आऊटसोर्स निगम मंडल बनाकर सामाजिक सुरक्षा एवं उचित वेतन सुनिश्चित किया जाए। आऊटसोर्स, ठेका कर्मचारियों से संबंधित श्रम कानूनों का समुचित पालन सुनिश्चित करने एवं कानूनों की पालना न होने पर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। आठ घंटे से अधिक कार्य करने पर अतिरिक्त समय का नियमानुसार भुगतान किया जाए।

आऊटसोर्स कर्मचारियों को सीधे विभाग, संस्था से वेतन भुगतान की जा कर बिचौलिया प्रथा बन्द किया जाये। श्रम कानूनों के अनुसार आऊटसोर्स कर्मचारियों का मासिक वेतन प्रत्येक माह की 07 तारीख तक भुगतान किया जाना सुनिश्चित किया जाये। साथ ही वेतन पर्ची प्रदान की जाए। अनुभव के आधार पर वेतन में बढौत्री की जावे एवं अनुभव के आधार संविदा, नियमित भर्ती में नीति बनाकर अवसर प्रदान किए जाए। बिना किसी ठोस कारण एवं जांच के आऊटसोर्स कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की प्रथा पर तत्काल रोक लगाई जाए। शिकायत, आरोप की उच्च स्तरीय जांच के बिना आऊटसोर्स कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त नहीं की जाए। सभी आऊटसोर्स कर्मचारियों को नियमानुसार ईएसआई, ईपीएफ और ईएसआईसी लाभ सुनिश्चित किया जाए। नियमित रूप के कार्यों के विरूद्ध कार्यरत आऊटसोर्स कर्मचारियों को 62 वर्ष की आयु तक सेवा में रहने के प्रावधान किए जाए। समान कार्य के लिए समान वेतन सिद्धांत को लागू किया जाए। आऊटसोर्स कर्मचारियों की सेवाएं समाप्ति आदेश के विरूद्ध अपील हेतु विभाग स्तर पर कमेटी का गठन किया जाए, जिसमें कर्मचारी को सुनवाई के पर्याप्त अवसर किए जाएं। आऊटसोर्स कर्मचारियों का सेवाकाल आधार पर श्रेणी उन्नयन अकुशल से अर्धकुशल अर्धकुशल से कुशल एवं कुशल से उच्चकुशल किया जाए। आऊटसोर्स कर्मचारियों को दुर्घटना बीमा रुपए 20 लाख किया जाए।

आऊटसोर्स कर्मचारियों को विभाग रिक्त पदो के विरूद्ध समायोजित, सविलियन करने हेतु ठोस नीति बनाई जाए। कौशल विकास की दृष्टि से प्रतिवर्ष कार्य आधारित कौशल विकास प्रशिक्षण तकनीकी, गैर तकनीकी प्रदान किया जाए एवं प्रमाणिकरण भी किया जाए। आऊटसोर्स कर्मचारियों को सप्ताहिक अवकाश सुनिश्चित किया जाए। ज्ञापन देने वालों में वीरसिंह गुर्जर, विनीत दुबे, अनूप चौधरी, रितेश चंदेल, शिवराजसिंह वैस, गौरव यादव, रवि मालवीय, कृष्णा मालवीय, अमन धावरी, जितेन्द्र दवारिया, रितेश पाटीदार, घनश्याम यादव सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

संयुक्त संचालक ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

सीहोर। स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त संचालक डॉ नीरा चौधरी एवं आरएमएनसीएच कॉर्डिनेटर डॉ सविता द्वारा सीहोर जिला अस्पताल का निरीक्षण किया गया। सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि निरीक्षण के दौरान संयुक्त संचालक डॉ नीरा चौधरी ने ट्रामा सेंटर, एक्सरे रूम, आईसीयू, मेल फीमेल वार्ड सहित सभी यूनिटों का निरीक्षण किया और वहां संचालित सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सभी सेवाएं प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डॉ दीपक डेहरिया, श्रीमती रीना पाटीदार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भूमि के अधिग्रहण में देरी पर कलेक्टर सख्त, अधिकारियों को लगाई फटकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। टीएल बैठक के दौरान नेशनल हाईवे एवं रेलवे परियोजनाओं के तहत भूमि अधिग्रहण और मुआवजा वितरण कार्य में हो रही देरी को लेकर कलेक्टर बालागुरू के. ने सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लापरवाही पर जमकर फटकार लगाई और निर्देश दिए कि इस कार्य को शीघ्र पूरा किया जाये। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि परियोजनाओं में देरी से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष रहे प्रकरणों में मुआवजा वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए तथा प्रभावित किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर बालागुरू के. ने चेतावनी दी कि यदि कार्य में अनावश्यक विलंब जारी रहा तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध वरिष्ठ कार्यालयों को प्रतिवेदन भेजा जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर बालागुरू के. ने शासन की मंशा के अनुरूप ई-ऑफिस प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू करने पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने कहा कि आगामी समय में सभी कार्यालयों को पेपरलेस बनाया जाना है, इसलिए सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी ई-ऑफिस प्रणाली पर कार्य करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता और गति लाने के लिए डिजिटल प्रणाली को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने जिला सूचना अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली का प्रशिक्षण प्रदान किया जाए, ताकि सभी विभागों में इसका सुचारू उपयोग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक विभाग अपने स्तर पर ई-ऑफिस के उपयोग की नियमित मॉनिटरिंग करें और किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे कार्य प्रभावित न हो। बैठक के दौरान कलेक्टर बालागुरू के. ने विभागवार एवं जनपदवार जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अभियान को गति देने तथा अधिक से अधिक गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जल संरक्षण एवं संवर्धन शासन की प्राथमिकता में शामिल है, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करें। उन्होंने निर्देशित किया कि अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने पूर्ण हो चुके कार्यों को समय-सीमा में पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए, ताकि प्रगति का सही आकलन किया जा सके। कलेक्टर ने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान कलेक्टर बालागुरू के. ने गेहूं, चना एवं मसूर उपार्जन कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और उनकी समस्याओं का तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि खरीदी के बाद किसानों को समय पर भुगतान किया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

सात दिवसीय श्रीराम कथा में उमड़ा आस्था का सैलाब

कथा में सुनाया शिव-पार्वती विवाह का प्रसंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

शहर के जयंती कालोनी में श्री हनुमान मंदिर समिति के तत्वाधान में जारी सात दिवसीय श्रीराम कथा के तीसरे दिन कथा व्यास राष्ट्रीय राम कथा व्यास मानस कोकिला महंत डॉ. भारती के द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह प्रसंग का वर्णन सुनकर श्रोता भावविभोर हो उठे।

शिव विवाह प्रसंग को इतनी भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया कि पूरा पंडाल हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। मंदिर समिति के तत्वाधान में जारी भव्य श्री 21 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव एवं श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है।

यहां पर प्रतिदिन सुबह पूर्ण विधि-विधान से साथ श्री-श्री 108 यज्ञ संचालक पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे, समिति अध्यक्ष रुद्रप्रकाश राठौर, यज्ञाचार्य पंडित दीपक शास्त्री और पंडित अनिल शर्मा आदि के मार्गदर्शन में देव पूजन, हवन, पुष्पाधिवास, लताधिवास, फलाधिवास आदि का दिव्य अनुष्ठा निरंतर चल रहा है। वहीं दोपहर में श्रीराम कथा और रात्रि को महाकाल मंडल राम लीला उज्जैन के तत्वाधान में रामलीला का मंचन किया जा रहा है। कथा के तीसरे दिन मंगलवार को महंत डॉ. प्रज्ञा भारती ने भगवान शिव विवाह का विस्तार से वर्णन करते हुए कहाकि सती के बाद शिव तपस्या में लीन हो गए। इसी दौरान सती ने हिमालय और मैना के यहां पार्वती के रूप में जन्म लिया। उस समय तारकासुर नाम का एक असुर देवताओं को भयभीत कर रहा था। उसे वरदान मिला था कि उसका वध केवल शिव की संतान ही कर सकती है। देवताओं ने शिव और पार्वती के विवाह की योजना बनाई। शिव की तपस्या भंग करने के लिए कामदेव को भेजा गया, लेकिन वह असफल रहे। देवताओं की विनती पर शिव विवाह के लिए तैयार हुए। शिव ने बारात में श्रृंगार की जगह शमशान की भस्म लगाई। यह संदेश था कि दुनिया के सभी श्रृंगार एक दिन समाप्त हो जाते हैं, लेकिन चिता की भस्म ही अंतिम सत्य है। शिव की बारात में देवता, दानव, गण और जानवर सभी शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने इस कथा को भाव विभोर होकर सुना। भगवान शिव की बारात में भूत पिशाच भी पहुंचे। ऐसी बारात को देखकर पार्वती जी की मां बहुत डर गईं और कहा कि वे ऐसे वर को अपनी पुत्री को नहीं सौंप सकती हैं। तब देवताओं ने भगवान शिव को परंपरा के अनुसार तैयार किया, सुंदर तरीके से श्रृंगार किया इसके बाद विवाह सम्पन्न हुआ।